संख्या-175/2025/206 के-2/22-3-2024-17(1364)/2023

प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3 लखनऊ दिनांक 28 मई, 2025

विषयः- जिला कारागार, हरदोई में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सतीश उर्फ बुदुन्ना पुत्र श्री रमेश उर्फ कुन्हा शुक्ला, निवासी जनपद-हरदोई की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने कार्यालय के पत्र संख्या-30070/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-05.09.2023) दिनांक-04.10.2023 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, हरदोई में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सतीश उर्फ बुदुन्ना पुत्र श्री रमेश उर्फ कुन्हा शुक्ला, जो-ग्राम सागरगढ़ी मजरा ऐरा काकेमऊ, थाना-अतरौली, जनपद-हरदोई का निवासी है। ट्यूबवेल से पानी को लगाने को लेकर हुये वाद-विवाद की रंजिश को लेकर दिनांक 30-05-2009 को बन्दी ने अपने 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर पप्पू शुक्ला व उनकी पत्नी तथा 03 बेटों में हरिओम (उम्र 12 वर्ष), मोटा (10 वर्ष) व छोटा (06 वर्ष) की अत्यंत क्रूर, निर्मम, विभत्स तरीके से अत्यंत बेरहमी एवं निष्ठुरता से बांके से काट-काटकर 05 व्यक्तियों की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-793/2009 में भा0द0वि0 की धारा-302 के अन्तर्गत मा0 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफ0टी0सी0-4, हरदोई के आदेश दिनांक 11-02-2011 द्वारा मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी की अपील निर्णीत करते हुये मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, खण्डपीठ लखनऊ के आदेश दिनांक 19-09-2013 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा को आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया। बन्दी के विरूद्व 01 अन्य वाद लम्बित है।

बन्दी द्वारा दिनांक 12.07.2023 तक 14 वर्ष, 01 दिन की अपरिहार सजा तथा 17 वर्ष, 06 माह, 13 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है एवं जेल रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 12.07.2023 तक बन्दी की आयु लगभग 39 वर्ष है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा किया गया अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, पुनः अपराध कारित करने की सम्भावना से इंकार नहीं किये जाने, बन्दी को जेल में और आगे निरूद्व करने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी सतीश उर्फ बुदुन्ना पुत्र श्री रमेश उर्फ कुन्हा शुक्ला को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- अतः उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, हरदोई में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सतीश उर्फ बुदुन्ना पुत्र श्री रमेश उर्फ कुन्हा शुक्ला (बन्दी संख्या-1055/2011), निवासी जनपद-हरदोई को फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार बंदी के फार्म-ए/लाईसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

संख्या- 175/2025/206 के-2/22-3-2024-17(1364)/2024 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ

2- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।

3- जिला मजिस्ट्रेट, हरदोई।

4- अधीक्षक, जिला कारागार हरदोई।

5- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में दिनांक 10.09.2024 को पारित आदेशों के सन्दर्भ में।

6- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-**2**, उ0प्र0 शासन।

7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
अनीस अख्तर अंसारी
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-175/2025/206 के-2/22-3-2024-17(1364)/2023

दिनांक-28 मई, 2025 का संलग्नक

सरकार के आदेश

जिला कारागार, हरदोई में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सतीश उर्फ बुदुन्ना पुत्र श्री रमेश उर्फ कुन्हा शुक्ला, जो-ग्राम सागरगढ़ी मजरा ऐरा काकेमऊ, थाना-अतरौली, जनपद-हरदोई का निवासी है। ट्यूबवेल से पानी को लगाने को लेकर हुये वाद-विवाद की रंजिश को लेकर दिनांक 30-05-2009 को बन्दी ने अपने 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर पप्पू शुक्ला व उनकी पत्नी तथा 03 बेटों में हरिओम की उम्र 12 वर्ष, मोटा 10 वर्ष व छोटा 06 वर्ष की अत्यंत क्रूर, निर्मम, विभत्स तरीके से अत्यंत बेरहमी एवं निष्ठुरता से बांके से काट-काटकर कर निर्मम एवं जघन्य 05 व्यक्तियों की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-793/2009 में भा0द0वि0 की धारा-302 के अन्तर्गत मा0 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफ0टी0सी0-4, हरदोई के आदेश दिनांक 11-02-2011 द्वारा मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी की अपील निर्णीत करते हुये मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, खण्डपीठ लखनऊ के आदेश दिनांक 19-09-2013 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा को आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया। बन्दी के विरूद्व 01 अन्य वाद लम्बित है। बन्दी द्वारा दिनांक 12.07.2023 तक 14 वर्ष, 01 दिन की अपरिहार सजा तथा 17 वर्ष, 06 माह, 13 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है एवं जेल रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 12.07.2023 को बन्दी की आयु लगभग 39 वर्ष है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा किया गया अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, पुनः अपराध कारित करने की सम्भावना से इंकार नहीं किये जाने, बन्दी को जेल में और आगे निरूद्व करने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी सतीश उर्फ बुदुन्ना पुत्र श्री रमेश उर्फ कुन्हा शुक्ला को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।